धनञ्जय गोत्र दीक्षित

स्थान	असामी	विस्वा
मन्मथारिपुर के	सुरेश्वर	२

धनञ्जय गोत्र अवस्थी

स्थान	असामी	विस्वा
चरखारी के	ग्रहपति	२
पाली के	शिवशङ्कर	२
तिलसरा के	कलानिधि	२
यज्ञपुर के	अवस्थी यज्ञपति	२
अम्बरसर के	घृतनयन	२

धनञ्जय गोत्र दुबे

स्थान	असामी	विस्वा
सुन्दरपुर के	गिरधारी	२

❀ इति धनञ्जय गोत्रम् ❀

काश्यप गोत्रस्य वृत्तांतम्

प्राचीन ब्रह्मपद्धतियों द्वारा विदित हुआ है कि सम्वत् १५८४ में मदारपुर के ज़मींदार भुंइहार ब्राह्मणों से और यवनों से घोर युद्ध हुआ अन्त में सब ब्राह्मण लड़ कट कर समाप्त हो गये केवल अनन्तराम विप्र की गर्भवती स्त्री बची वह यवनों से डर कर स्योना नाई के सङ्ग उसकी ससुराल में जाय रहने लगी पूरे दिन होने में उसके १ पुत्र भया और वह स्त्री परम धाम को गई निदान स्योना ने ब्राह्मण से क्रिया करा दी और द्विज कुलानुसार जातक

संस्कार कर उस बालक का गर्भू नाम रक्खा तथा पालन करने लगा जब वह लड़का बड़ा हुआ तब काश्यप गोत्री चिलौली के त्रिपाठी पुत्रहीन सुखमणि को दे दिया उन्होंने उस लड़के का जनेऊ कराय वेद पढ़ाया और कुतमऊ ग्राम के रहने से काश्यपगोत्री कुतमउहा तिवारी की उपाधि दी इन्ही गर्भू के कुल में यद्यपि माङ्गलिक कार्य्यों में अस्तुरा कटोरी की पूजा होती है अर्थात् यह स्योना नाई के उपकार का स्मरण चिन्ह है गर्भू के २ पुत्र गौरी, गणेश, गौरी मदारपुर के तिवारी, गणेश बिहारपुर के तिवारी कहाये गौरी के ४ पुत्र मोहन १ परमसुख २ कमोरी ३ रमनी ई सब मदारपुर के तिवारी, गणेश के पुत्र जगनू बिनौर के अग्नि होत्री तिनके ३ पुत्र रामकृष्ण कृपानपुर के मिश्र २ परमई भागीरथ के दीक्षित, ३ गोबर्द्धन बिघौली के शुक्ल, मोहन तिवारी के ४ पुत्र १ सीताराम कुलऊपुर के तिवारी, २ शान्ति बड़ोरा के तिवारी ३ कर्ण तिलौरी के तिवारी ४ जयराम गलाथे के तिवारी कहाये जयराम के पुत्र, साहब मिगलानी के अवस्थी, कमोरी के ५ पुत्र, १ रंजन सगुनापुर के दुबे

कहाये २ त्रिभुवन विनहार के दुबे ३ ठकुरी गल्हैया के दुबे ४ लखनी खुड़हा बिनवारी के दुबे ५ बहादुर मङ्गरायल के दुबे, रामकृष्ण मिश्र के पुत्र देवकीनंदन नगरा के मिश्र कहाये परमाई के पुत्र रतने क्यूनापुर के दीक्षित, रतनेके ५ पुत्र १ गोपी मदारपुर के दीक्षित, २ गिरधर शिवली के दीक्षित. ३ गोपाल बिहारपुर के दीक्षित, ४ गङ्गा बानपुर के दीक्षित, ५ देवदत्त कुतमऊ के दीक्षित कहाये, गोवर्द्धन शुक्ल के पुत्र सुन्दर रिवाड़ी के शुक्ल ठकुरी दुबे के ४ पुत्र १ जयपाल बिठूर के दुबे, भग्गा अमृतपुर के अग्निहोत्री, ३ जुड़ावन लखनऊ के अग्निहोत्री ४ शीतल कठिरुआ के अग्निहोत्री कहाये। गोपी के ४ पुत्र रुपई कुतमऊ के दीक्षित मोहन कुड़री के दीक्षित भोगी शाहाबाद के दीक्षित कहाये गिरधर के ५ पुत्र खेम सिहुड़ा के दीक्षित, चंद विहापुर के दीक्षित, यज्ञपति खुरमुआ के अवस्थी, गुरुदत्त गरहा के दीक्षित, शिवदीन कलुहा के अग्निहोत्री कहाये, गोपाल के ५ पुत्र हरी, बाबू (बबआ) खिरौली के अवस्थी, आशादत्त रूयूरा के अवस्थी, सीरू सदनिहा के दुबे, भीखू ठाठबिहार के दुबे कहाये। भीखू के ३ पुत्र मदनू बिहारपुर के दुबे, भोगी इच्छावरी के दुबे, परमानंद लहुरी के दुबे कहाये। परमानंद के २ पुत्र शीतल तिवारीपुर के तिवारी, शिवदत्त नगरा के मिश्र कहाये।

काश्यप गोत्र तिवारियों का स्थान असामी विस्वा

स्थान	असामी	विस्वा
कुतमऊ के	तिवारी गर्भू	७
मदारपुर कुतमौहा	गौरी	१०
बिहारपुर ,,	गणेरा	८
मदारपुर के	मोहन	६
,,	परमसुख	६
,,	कमोरी	६
,,	रमनी	६
कुलऊपर के	सीताराम	५
बड़ौरा के	शांति	१०
तिलौरी के	कण	५
गलाथे के	जयराम	७
तिवारीपुर के	शीतल	२

काश्यप गोत्र दीक्षित

स्थान	असामी	विस्वा
भागीरथ के	परमाई	४
कयूना के	रतने	१०
कयूना मदारपुर	गोपी	५
शिवली के	गिरधर	४
बिहारपुर के	गोपाल	३
बानपुर के	गंगा	१०
कयूनाकुतमऊ के	देवदत्त	६
,,	थलई	४
,,	रुपई	४
बिहारपुर के	चन्द	२
सिहुड़ा के	खेमे	,,
कोड़री के	मोहन	,,
गरहा के	गुरुदत्त	,,
शादाबाद के	भोगा	,,

❀ काश्यप गोत्र दुबे ❀

स्थान	असामी	विस्वा
मगुनापुर के	रंजन	४
बिनहारपुर के	त्रिभुवन	३
गन्हैया के	ठकुरी	४
खुड़हा बिनवारी	लखनी	२
मगरायल के	बहादुर	७
बिठूर के	जयपाल	४
लहुरीपुर के	दुबे परमानन्द	२
इच्छावरी के	भोगी	,,
ठाठ बिलार के	भीखू	,,
सदनिहा के	सीरू	,,
बिहारपुर के	मदनू	,,

काश्यपगोत्र अग्निहोत्री

स्थान	असामी	बिस्वा
बिनौर के	जगनू	५
अमृतपुर के	भग्गा	४
लखनऊ के	जुड़ावन	४
कठेरुआ के	शीतल	४
कलुहा के	शिवदीन	१०

काश्यप गोत्र शुक्ल अवस्थी मिश्र

स्थान	असामी	बिस्वा
शुक्ल बिघौली के	गोवर्धन	५
स्थान	असामी	बिस्वा
रिवाड़ी के	सुन्दर	४
अवस्थी मिगलानी के	साहब	४
,,	खुरमुहा के यज्ञपति	४
,,	ख्यूरा के आशादत्त	२
,,	खिरौली के बबुआ	१०
मिश्र कृपानपुर	रामकृष्ण	५
,,	नगरा के देवकीनन्दन	३
,,	नगरा के शिवदत्त	३

इति काश्यप गोत्राम्

❀ ॐ ❀

गौतम गोत्रस्य वृत्तांतम्

श्री ब्रह्मा जी के पुत्र गौतम ऋषि के बन्श धनावल ग्राम में माधवानन्द शुक्ल भये उन्हीं माधवानन्द की पांचवीं पीढ़ी में त्रिपुरमर्दन परम प्रसिद्ध भये और धनावली के शुक्ल कहाये, तिनके पुत्र १ क्षेमकरण पिता की आज्ञानुसार त्रिपुरारिपुर में बसे और त्रिपुरारि के शुक्ल कहाये, क्षेमकरण के तीन पुत्र १ धनई गहवर के तिवारी, २ बिजई बादीपुर के तिवारी, ३ अङ्गद बसनिहा के तिवारी, बिजयी के २ पुत्र १ भगवन्त भदेश्वर